मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

–::परीक्षा योजना::–

(अ) अंक–योजना :–

प्रश्न पत्र	परीक्षा	प्रश्नों की संख्या	पूर्णांक	अवधि
प्रथम प्रश्न पत्र	मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान	50	200	01 घंटा
द्वितीय प्रश्न पत्र	विषय– संबंधित विषय	150	600	03 घंटे
	योग	200	800	
	साक्षात्कार		100	
	कुल अंक		900	

(ब) प्रश्न पत्र योजना :–

1. परीक्षा का आयोजन दो सत्रों में होगा ।
2. प्रथम प्रश्न पत्र की विषयवस्तु – मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान से संबंधित 50 प्रश्न होंगे । द्वितीय प्रश्न पत्र में विषय से संबंधित प्रश्नपत्र में 150 प्रश्न होंगे। इस प्रकार दोनों प्रश्न पत्र में कुल–200 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। इस प्रकार दोनों प्रश्न–पत्रों का पूर्णांक 800 अंकों का होगा।
3. दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु चार विकल्प (A,B,C,D) होंगे। अभ्यर्थी को उक्त विकल्पों में से केवल एक सही विकल्प का ही चयन करना होगा। अभ्यर्थी द्वारा एक से अधिक विकल्पों का चयन करने पर उत्तर निरस्त कर दिया जाएगा।
4. प्रथम प्रश्न पत्र की अवधि 01 घंटे की होगी । इस प्रश्न पत्र में 50 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। द्वितीय प्रश्न पत्र की अवधि 03 घंटे की होगी । द्वितीय प्रश्न पत्र में संबंधित विषय के 150 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा इस प्रकार लिखित परीक्षा की मेरिट दोनों प्रश्न पत्रों के प्राप्तांको को जोड़कर बनेगी।
5. दोनों ही प्रश्न पत्रों में पृथक–पृथक 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। मध्यप्रदेश के अधिसूचित अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) एवं दिव्यांगजन (PH) श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु 10–10 प्रतिशत अंकों की छूट दी जाएगी इस प्रकार उक्त श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु प्रत्येक प्रश्न–पत्र में पृथक–पृथक न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
6. भाषा संबंधी प्रश्न–पत्रों को छोड़कर समस्त प्रश्न–पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में होंगे।

7. परीक्षा परिणाम के साथ ही अभिलेख–प्रेषण हेतु अंतिम तिथि निर्धारित कर परीक्षा में प्रावधिक सफल अभ्यर्थियों से उनकी अर्हता से संबंधित सभी अभिलेख प्राप्त किए जाएँगे तथा केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा जो अभिलेखों की सूक्ष्म जाँच उपरान्त अर्ह पाए ज़ाएँगे। अंतिम निर्धारित तिथि पश्चात आयोग द्वारा अभिलेख स्वीकार्य नहीं किए जाएंगे।

8. साक्षात्कार :–

साक्षात्कार 100 अंकों का होगा। साक्षात्कार हेतु कोई न्यूनतम उत्तीर्णांक निर्धारित नहीं हैं।

(स) चयन–प्रक्रिया :–

1) चयन–प्रक्रिया के प्रथम चरण में संबंधित प्रश्न पत्र की ऑफलाइन पद्धति (OMR Sheet आधारित) परीक्षा/ऑफलाइन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

2) परीक्षा उपरान्त परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों की प्रावधिक उत्तर कुंजी तैयार कर आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित कर 07 दिवस की अवधि में आपत्तियाँ प्राप्त की जाएगी। इस अवधि के पश्चात् प्राप्त किसी भी अभ्यावेदन पर कोई विचार एवं पत्राचार नहीं किया जाएगा । आपत्ति हेतु दिया गया शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नहीं किया जाएगा। प्राप्त आपत्तियों पर आयोग द्वारा गठित विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा आपत्तियों पर विचार कर निम्नांकित कार्यवाही की जाएगी :–

1. ऐसे प्रश्न जिनका प्रावधिक कुंजी में दिए गए विकल्पों में से गलत उत्तर दिया गया है और विकल्पों में अन्य विकल्प सही है, तब प्रावधिक उत्तर कुंजी को संशोधित किया जाएगा ।
2. प्रश्न पत्र में अनुवाद की भाषा में भिन्नता की स्थिति में केवल हिन्दी अनुवाद ही मान्य होगा। **(केवल द्वि–भाषी प्रश्न–पत्रों पर लागू)**
3. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक से अधिक सही उत्तर है, सभी सही उत्तरों को मान्य किया जाएगा ।
4. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक भी सही उत्तर न हो, प्रश्न को प्रश्न–पत्र से विलोपित किया जाएगा ।
5. विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा समस्त अभ्यावेदनों पर विचार करने के पश्चात् अंतिम उत्तर कुंजी बनाई जाएगी तथा आयोग द्वारा वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित की जाएगी। अंतिम उत्तर कुंजी के प्रकाशन के पश्चात् अभ्यर्थियों के कोई भी आपत्ति/पत्र व्यवहार मान्य नहीं किया जाएगा । विषय–विशेषज्ञ समिति का निर्णय अंतिम होगा ।

6. उपरोक्तानुसार समिति द्वारा विलोपित किए गए प्रश्नों को छोड़कर शेष प्रश्नों के आधार पर अंतिम उत्तर कुंजी के अनुसार अभ्यर्थियों का मूल्यांकन कर परीक्षा–परिणाम घोषित किया जाएगा।

3) परीक्षा में प्राप्तांक के गुणानुक्रम के आधार पर विभिन्न प्रवर्गों हेतु विज्ञापित रिक्तियों के अधिकतम 3 गुना तथा समान अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में अभिलेख प्रस्तुत करने हेतु प्रावधिक सफल घोषित किया जाएगा।

4) साक्षात्कार में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों को चयन के लिये अनर्ह माना जाएगा। साक्षात्कार के लिए आवेदकों को बुलाने के संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा। यह निर्णय आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर उपलब्ध रहेगा। अभ्यर्थी समय–समय पर आयोग की वेबसाइट का अवलोकन करते रहें।

5) विज्ञापन की कंडिका–सात–चयन प्रक्रिया (1) के अनुसार–यदि अभ्यर्थी मध्यप्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक का कार्य अतिथि विद्वान के रूप में किया है तो उनके द्वारा अतिथि विद्वान के रूप में किए गए कार्य के आधार पर विभाग द्वारा निर्धारित मापदण्ड अनुसार प्राप्त वरीयता अंक के योग के गुणानुक्रम के आधार पर होगा।

6) आयोग की परीक्षा प्रणाली में पुनर्मूल्यांकन/पुनर्गणना का कोई प्रावधान नहीं है। इस विषय में प्राप्त अभ्यावेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी।

परीक्षा नियंत्रक

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

पाठ्यक्रम–प्रथम प्रश्न–पत्र

मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान

1. <u>मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य</u>

- मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ, प्रमुख राजवंश।
- स्वतंत्रता आन्दोलन में मध्यप्रदेश का योगदान।
- मध्यप्रदेश की कला एवं संस्कृति।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ एवं बोलियाँ।
- प्रदेश के प्रमुख त्यौहार, लोक संगीत एवं लोक कलाएँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख व्यक्तित्व।

2. <u>मध्यप्रदेश का भूगोल</u>

- मध्यप्रदेश के वन, पर्वत तथा नदियाँ।
- मध्यप्रदेश की जलवायु।
- मध्यप्रदेश के प्राकृतिक एवं खनिज संसाधन।
- ऊर्जा संसाधन : परंपरागत एवं गैर परंपरागत।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख सिंचाई एवं विद्युत परियोजनाएँ।

3. <u>मध्यप्रदेश की राजनीति एवं अर्थशास्त्र</u>

- मध्यप्रदेश की राजनीतिक व्यवस्था (राज्यपाल, मंत्रिमंडल, विधानसभा)
- मध्यप्रदेश में पंचायतीराज व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की सामाजिक व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की जनांकिकी एवं जनगणना।
- मध्यप्रदेश का आर्थिक विकास।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख उद्योग।
- मध्यप्रदेश में कृषि एवं कृषि आधारित उद्योग।

4. **अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ**

- महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ।
- देश एवं प्रदेश की प्रमुख खेल प्रतियोगिताएँ एवं पुरस्कार तथा खेल संस्थाएँ।
- मध्यप्रदेश राज्य की प्रमुख जन कल्याणकारी योजनाएँ।
- मध्यप्रदेश के चर्चित व्यक्तित्व एवं स्थान।

5. **सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।**

- इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर्स, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।
- रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स एवं सायबर सिक्यूरिटी।
- ई–गवर्नेन्स ।
- इंटरनेट तथा सोशल नेटवर्किंग साईट्स।
- ई–कॉमर्स।

---xxx---

ASSISTANT PROFESSOR EXAM-2022

SYLLABUS- PAPER-I

General knowledge of Madhya Pradesh, National and International level and basic knowledge of computer

1. History culture and literature of M.P.

- Important Historical events and Major dynasties of M.P.
- Contribution of Madhya Pradesh in the Independence movements.
- Art, Architecture and culture of M.P.
- Main Tribes and Dialects of M.P.
- Main festivals, folk music and folk art of M.P.
- Important literary figures of M.P. and their literature.
- Main Tourist places of M.P.
- Important personalities of M.P.

2. Geography of the Madhya Pradesh

- Forest, Mountain and Rivers of M.P.
- Climate of M.P.
- Natural and mineral resources of M.P.
- Energy Resources: Conventional and Non- conventional.
- Main irrigation and Power projects of M.P.

3. Politics and Economy of M.P.

- Political system of M.P. (Governor, Cabinet, Legislative Assembly).
- Panchayati Raj in M.P.
- Social system of M.P.
- Demography and census of M.P.
- Economic development of M.P.
- Main industries of M.P.
- Agriculture and Agri based industries in M.P.

4. Current events of International, National and M.P.

- Important Contemporaneous events.
- Famous sports competitions; awards and sports institution of the State and country.
- Welfare schemes of M.P. state.
- Famous personalities and Places.

5. Information and Communication Technology

- Electronics, computers, information and communication technology.
- Robotics, artificial intelligence and cyber security.
- E- Governance.
- Internet and Social networking site.
- E- Commerce.

---xxx---

(22) (7)

Assistant Professor Exam -2022

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

Syllabus - Music Vocal

पाठ्यक्रम–संगीत–गायन

UNIT- I : Knowledge Tradition in Indian Music

- Origin of Indian Music :- Mythological vision, Natural vision, Psychological vision
- History of Vedic Period - 2000 BC - 1000 BC
- History of Legendry Period - 1000 BC - 800 AD
- History of Medieval Times - 800 AD - 1800 AD
- History of Modern Period - 1800 AD - Present times.

इकाई–1. भारतीय संगीत में ज्ञान परंपरा :–

- भारतीय संगीत की उत्पत्ति– धार्मिक दृष्टिकोण, प्राकृतिक दृष्टिकोण, मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण।
- वैदिक काल का इतिहास– 2000 ई.पू. से 1000 ई.पू. तक ।
- पौराणिक काल का इतिहास –1000 ई.पू. से 800 ई. तक ।
- मध्यकाल का इतिहास– 800 ई. से 1800 ई. तक ।
- आधुनिक काल का इतिहास–1800 ई. से वर्तमान तक ।

UNIT- II : Study of Gharanas of Madhya Pradesh

- Origin and Development of Gharanas.
- Dhrupad's Banis in Madhya Pradesh :- Dagur Bani and Gobarhar Bani.
- Gharana's of Khyal in Madhya Pradesh :- Gwalior Gharana, Indore Gharana, Bhopal (Mewati) Gharana, Devas (Kumar) Gharana.
- Merit and Demerit of Gharanas.
- Gurukul system and modern education system.

इकाई–2 मध्यप्रदेश के गायन के घरानों का अध्ययन :–

- "घरानों" का उद्‌गम एवं विकास ।
- मध्यप्रदेश में "ध्रुवपद" की बानियाँ– डागुर बानी, गोबरहार बानी ।
- मध्यप्रदेश में ख्याल" के घराने– ग्वालियर घराना, इन्दौर घराना, भोपाल (मेवाती) घराना, देवास (कुमार) घराना ।
- घराना पद्धति के गुण–दोष।
- गुरुकुल पद्धति एवं आधुनिक संगीत शिक्षा प्रणाली।

UNIT- III : Study of singing Patterns of Indian Music

- **Ancient Prabandha**:- swara, viruda, Pada, Tenak, Paat, Taal. Medini Jaati, Aanandini Jaati, Deepini Jaati, Bhavini Jaati, Taravali Jaati. Dhatu:- Udgrah, Dhruva, Melapak, Aabhog, Raagkadamb, Matraka Prabandh,. Panchtaleshwar Prabandh, Kaiwad Prabandh, Dwipadi, Dwipathak, Roopak and Vastu, Niryukta Aniryukta Prabandh.
- **Modern Prabandha** :-Dhrupad, Dhamar.
- **Present Singing Patterns** :- Khyal, Tap Khyal, Trivat, Raagmala, Chaturang, Tarana, Sargam, Lakshan Geet.
- **Semi Classical Singing Patterns**:- Thumri, Tappa, Chaiti, Kajri, Hori, Jhula, Hindola, Phaag, Dadra, Sadra.
- **Light Music singing Patterns**:- Bhajan, Ghajal, Geet, Kirtan.

इकाई–3 हिन्दुस्तानी गायन शैलियों का अध्ययन :–

- **प्राचीन प्रबंध** –स्वर, विरूद, पद, तेनक, पाट, ताल, मेदिनी जाति, आनंदिनी जाति, दीपनी जाति, भाविनी जाति, तारावली जाति, धातु:– उदुग्राह, ध्रुव, मेलापक, आभोग, रागकदम्ब, मात्रका प्रबंध, पंचतालेश्वर प्रबंध, कैवाड़ प्रबंध, द्विपदी, द्विपथक, रूपक, वस्तु, निर्युक्त अनिर्युक्त प्रबंध ।
- **आधुनिक प्रबंध** – ध्रुवपद, धमार ।
- **वर्तमान गायन शैलियाँ**– ख्याल, टप ख्याल, त्रिवट, रागमाला, चतुरंग, तराना, सरगम, लक्षण गीत।
- **उप शास्त्रीय गायन शैलियाँ**–ठुमरी, टप्पा, चैती, कजरी, होरी, झूला हिंडोला, फाग, दादरा, सादरा ।
- **सुगम संगीत गायन शैलियाँ** – भजन, गजल, गीत, कीर्तन ।

UNIT- IV : Detailed and Analytical Study of Ragas

- Gram Raga Classification, Raga - Ragini Classification, Thata - Raga Classification, Ragang Rag Classification.
- Jaties of Raga - Auduva, Shadava, Sampurna and Nine (9) Upjaties.
- Study of Following Ragas of Hindustani Music Systems:-
  Yaman, Bhupali, Kedar, Hameer, Gaud Sarang, Shyam kalyan, Kamod, Maru Bihag. Bilaval, Alhaiya Bilaval, Hansadhwani, Devgiri Bilawal, Bihag. Khamaj, Des, Kalavati, Rageshri, Gorakh Kalyan, Jhinjhoti. Bhairava, Aheer Bhairava, Jogiya, Nat Bhairava, Vibhas. Kafi, Vrindavani Sarang, Bahar, Bageshri, Shuddha Sarang, Madhya Maad Sarang, Miyan Malhar. Aasavari , Darbari Kanhara, Adana, Komal Rishabh Aasavari, Jaunpuri. Poorvi, Pooriya Dhanashri,Gauri, Basant, Marva, Sohni, Lalit, Bhatiyar, Pooriya, Todi, Gujari

Todi, Miyan Ki Todi, Multani, Madhuwanti. Bhairavi, Bilaskhani Todi, Malkaunsh,Bhupal Todi.

- Raga Samay Chakra, Poorva Raga, Uttar Raga, Sandhi Prakash Raga. Thata, Raga, Aashraya raga, Permel Praveshak Raga, Shuddha - Chhayalag - Sankirna Raga.
- Application of different Ragas and Talas in Music Therapy. Mental Disease Treatment with Ragas.

इकाई–4 <u>रागों का विस्तृत एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन</u> :–

- ग्राम राग वर्गीकरण, राग–रागिनी वर्गीकरण, थाट–राग वर्गीकरण, रागांग राग वर्गीकरण।
- राग की जातियाँ– औड़व, षाड़व, सम्पूर्ण एवं 9 उप जातियाँ।
- हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के निम्नलिखित रागों की जानकारी :– **यमन**, भूपाली, केदार, हमीर, गौड़ सारंग, श्याम कल्याण, कामोद, मारूबिहाग, **बिलावल**, अल्हैया बिलावल, हंसध्वनि, देवगिरि बिलावल, बिहाग, **खमाज**, देस, कलावती, रागेश्री, गोरख कल्याण, झिंझोटी, **भैरव**, अहीर भैरव, जोगिया, नट भैरव, विभास, **काफी**, वृंदावनी सारंग, बहार, बागेश्री, शुद्ध सारंग, मध्यमाद सारंग, मियॉ मल्हार, **आसावरी**, दरबारी कान्हड़ा, अड़ाना, कोमल ऋषभ आसावरी, जौनपुरी, पूर्वी, पूरिया धनाश्री, गौरी, बसंत, **मारवा**, सोहनी, ललित, भटियार, पूरिया, **तोड़ी**, गुर्जरी तोड़ी, मियॉ की तोड़ी, मुल्तानी, मधुवन्ती, **भैरवी**, बिलासखानी तोड़ी, मालकौंस, भूपाल तोड़ी।
- राग समय चक्र– पूर्व राग, उत्तर राग, संधि प्रकाश राग, थाट राग, आश्रय राग, परमेल प्रवेशक राग, शुद्ध – छायालग – संकीर्ण राग।
- संगीत चिकित्सा में विभिन्न रागों व तालों का अनुप्रयोग, रागों से मानसिक रोगों का उपचार।

UNIT- V : Indian Musicology (Technical Terminology)

- Naad, Shruti, Swara, Saptak, Purwang, Uttarang, Gram, Murchhana.
- Marg - Deshi, Geet - Gandharva, Ragalap, Roopkaalap, Gamak.
- Varna, Alankar, Grah, Ansha, Nyasa, Sanyasa, Vinyasa, Apanyasa.
- Vaadi, Samvaadi, Anuvaadi, Vivaadi, Alpatva - Bahutva, Aavirbhava - Tirobhava.
- Swasthan, Aakshiptika, , Aalap,Taan, MukhChalan Sthay, Khatka, Murki, Meend, Kana, Pukaar.

इकाई–5 <u>भारतीय संगीत शास्त्र (पारिभाषिक शब्दावली)</u> :–

- नाद, श्रुति, स्वर, सप्तक, पूर्वांग–उत्तरांग, ग्राम, मूर्च्छना ।
- मार्ग–देशी, गीत–गान्धर्व, रागालाप, रूपकालाप, गमक ।
- वर्ण, अलंकार, ग्रह, अंश, न्यास, सन्यास, विन्यास, अपन्यास।
- वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, अल्पत्व–बहुत्व, आविर्भाव–तिरोभाव।
- स्वस्थान, आक्षिप्तिका, आलाप, तान, मुखचालन, स्थाय, खटका, मुर्की, मींड, कण, पुकार ।

UNIT- VI : Life Sketch of Indian Musician and Musical Contribution

- **Ancient and Medival Musicologists**:- Bharat, Sarang Dev, Ahobal, Lochan, Ramamatya, Shrinivas, Pundarik Vitthal, Matang, Dattil.
- **Modern Musicologists** :- Pt. V.D. Paluskar, Pt. V.N. Bhatkhande. Acharya Kailash Chandra Dev Brahaspati, Thakur Jaidev Singh, Pt. Omkar Nath Thakur, Dr. Premlata Sharma, Dr. Lalmani Mishra.
- **Musicologists of Madhya Pradesh:-** Pt. Shri Krishna narayan Ratanjankar, Pt. Raja Bhaiya Poochwale, Pt. Krishna Rao Shankar Pandit, Pt. Balabhau Umdekar (Kundal Guru), Pt. Balasaheb Poochwale, Pt. Gunwant Vyas, Shri Om Prakash Chaourasia, Sri Pyare Lal Shrimal, Pt. Gokulotsav Maharaj, Shri Sharad Chandra Shridhar Paranjape, Pt. Kumar Gandharva, Dr. Arun Kumar Sen, Dr. Anita Sen, Pt. Tulsiram Devangan, Shri Vedmani singh Thakur, Professor P.N.Chinchore, Dr. Sushil Trivedi, Shri Mohan Naadkarni, Dr. Arun Mahadev Bangre, Pt. Kartik Ram, Shri Vinay Upadhyay.
- **Artist of Madhya Pradesh**:- Tansen, Ustad Alauddin Khan, Ustad Abdul Halim Jafar Khan, Ustad Amir Khan, Pt. Lakshman Krasnarao Pandit, Ustad Jahangir khan, Ustad Rajjab Ali Khan, Let. Asgari Bai, Pt. Raghunath seth, Pt. Kumar Gandharva, Padmashri Vasundhara Komkali, Pt, Gokulostsava Maharaj, Ustad Amjad Ali Khan, Pt. Raja Bhaiya Poochwale, Pt. Bala Saheb Poochwale, Shri Parvat Singh Thakur, Pt. Ajay Pohankar, Let. Shri Ram Swarup Ratoniya, Ms. Shashwati Mandal, Pt. Umesh Kampoowale.
- Present Musicologist of Madhya Pradesh :- Ashok Vajpai, Pankaj Raag, Vinay Vate, Manoj Shrivastava, Shri Ram Tiwari.

इकाई–6 भारतीय संगीतकारों का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान :–

- **प्राचीन एवं मध्यकालीन शास्त्रकार–** भरत, शारंग देव, अहोबल, लोचन, रामामात्य, श्रीनिवास, पुंडरिक विट्ठल, मतंग, दत्तिल ।
- **आधुनिक शास्त्रकार–** पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर, पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे, आचार्य कैलाश चन्द्र देव बृहस्पति, ठाकुर जयदेव सिंह, पंडित ओंमकार नाथ ठाकुर, डॉ. प्रेमलता शर्मा, डॉ. लालमणि मिश्र।
- **मध्यप्रदेश के शास्त्रकार–** पंडित श्रीकृष्ण नारायण रातनजनकर, पंडित राजाभैया पूछवाले, पंडित कृष्णराव शंकर पंडित, पंडित बालाभाऊ उमडेकर (कुंडल गुरू,) पंडित बालासाहेब पूछवाले, पंडित गुणवंत व्यास, श्री ओम प्रकाश चौरसिया, श्री प्यारेलाल श्रीमाल, पंडित गोकुलोत्सव महाराज, श्री शरद चंद्र श्रीधर परांजपे, पंडित कुमार गंधर्व, डॉ. अरुण कुमार सेन डॉ. अनिता सेन, पंडित तुलसीराम देवांगन, श्री वेदमणिसिंह ठाकुर, प्रो.पी.एन. चिंचौरे, डॉ. सुशील त्रिवेदी, श्री मोहन नाडकर्णी, डॉ. अरुण महादेव बांगरे, पंडित कार्तिक राम, श्री विनय उपाध्याय ।
- **मध्यप्रदेश के कलाकार–** तानसेन, उस्ताद अल्लाउद्दीन खाँ, उस्ताद अब्दुल हलीम ज़ाफर खान, उस्ताद अमीर खाँ, पंडित लक्ष्मण कृष्णराव पंडित, उस्ताद जहांगीर खाँ, उस्ताद रज्जबअली खाँ, स्व. असगरी बाई, पंडित रघुनाथ सेठ, पंडित कुमार गंधर्व, पद्मश्री वसुंधरा कोमकली, पंडित गोकुलोत्सव महाराज, उस्ताद अमज़द अली खाँ, पंडित राजभैया पूछवाले, पंडित बालासाहेब पूछवाले, श्री पर्वत सिंह ठाकुर, पंडित अजय पोहनकर, स्वर्गीय पंडित रामस्वरूप रतौनिया, सुश्री शाश्वती मंडल, पंडित उमेश कम्पूवाले ।
- मध्यप्रदेश के वर्तमान शास्त्रकार– अशोक वाजपेयी, पंकज राग, विनय वाते, मनोज श्रीवास्तव, श्रीराम तिवारी।

UNIT- VII : Study of Notation Systems

- Notation System of Pandit Vishnu Digambar Paluskar and Pandit Vishnu Narayan Bhatkhande .
- Harmony , Melody, Major scale, Minor Scale, Major Tone, Minor tone, Semi Tone, Chromatic - Diatonic scale.
- Notation System of Indian Taal and study of following Talas with Different Laykaris :- Dadra, Kaharwa, Roopak. Jhaptaal, Chautaal, Tritaal, Aada Chautal, Tivra, Sool Taal, Dhamar Taal, Ektaal, Tilwada, Punjabi, Jhoomra, Gaj Jhampa, Deepchandi.
- Study of Ten Breath of Tala, Laya, Matra, Sam, Tali, Khali, Aavartan, Mukhda.
- Knowledge of Tabla, Mridang, Pakhavaj etc.

इकाई–7 स्वरलिपि पद्धतियों का अध्ययन :–

- पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर एवं पंडित विष्णु नारायण भातखंडे स्वरलिपि पद्धति।
- हारमनी, मेलॉडी, मेजर स्केल, माइनर स्केल, मेजर टोन, माइनर टोन, सेमि टोन, क्रोमेटिक–डायटोनिक स्केल।
- हिन्दुस्तानी काललिपि पद्धति एवं निम्नांकित तालों का विभिन्न लयकारियों सहित अध्ययन:– दादरा, कहरवा, रूपक, झपताल, चौताल, त्रिताल, आड़ा चौताल, तीव्रा, सूलताल, धमार ताल, एकताल, तिलवाड़ा, पंजाबी, झूमरा, गजझम्पा, दीपचंदी।
- ताल के दस प्राणों का अध्ययन, लय, मात्रा, सम, ताली, खाली, आवर्तन, मुखड़ा।
- तबला, मृदंग, पखावज, आदि वाद्यों की जानकारी।

UNIT- VIII : Musical Festivals, Conferences, and Awards of Madhya Pradesh

- **Festivals:-** Narmada festival, Chambal festival, Murena festival, Malva festival, Madhya Pradesh festival, Bhopal festival, Bhojpur festival , Orchha festival, Nimar festival, Lok Ranjan festival, Lok Rang Festival, Aadi Rang festival, Aadi Raga festival, Aadi festival.
- Conferences :- Kalidas Conference, Druvpad Conference, Taansen Conference, Ustad Alauddin Khan Music Conference , Ustad Ameer Khan Conference, Ghungharu Dance Conference, Chakradhar Nratya Conference, Badal Raga Music Conference, Kumar Gandharva Music Conference, Khajuraho Dance Conference, Shankar Music conference.
- **Government of Madhya Pradesh State level and National Awards:-** Shikhar Samman, Mahatma Gandhi Award, Kabeer Award, Taansen Award, Kalidas Award, Tulsi Award, Lata Mangeshkar Award, Iqbal Award, Devi Ahilya Award, Kishor Kumar Award, Kumar Gandharv Award.
- **Awards for Madhya Pradesh Artist -** Pt. Parvat Singh, Raja Chakradhar Singh, Ustad Rajab ali, Shri Govind Rao Burhanpurkar, Thakur Jagdish Singh Din, Thakur Bheekam Singh Gautam, Ustad Hafeez Ali Khan, Ustad Amzad Ali Khan, Ustad Jahageer Khan, Pt. Ambadas pant Aagle, Shri Sharatchand Shreedhar Paranjpe, Pt. Krishnarao Shankar Pandit, Pandit Kumar Gandharv.
- Introduction and Musical Contribution of Young Artists of Madhya Pradesh.

इकाई–8 मध्यप्रदेश के सांगीतिक उत्सव, समारोह, पुरस्कार व सम्मान :–

- उत्सव–नर्मदा उत्सव, चंबल उत्सव, मुरैना उत्सव, मालवा उत्सव, मध्यप्रदेश उत्सव, भोपाल उत्सव, भोजपुर उत्सव, ओरछा उत्सव, निमाड़ उत्सव, लोक रंजन उत्सव, लोक रंग उत्सव, आदि रंग उत्सव, आदि राग उत्सव, आदि उत्सव ।
- समारोह–कालिदास समारोह, ध्रुवपद समारोह, तानसेन समारोह, उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत समारोह, उस्ताद अमीर खाँ संगीत समारोह, घुंघरु नृत्य समारोह, चक्रधर नृत्य समारोह, बादल राग संगीत समारोह, कुमार गंधर्व संगीत समारोह, खजुराहो नृत्य समारोह, शंकर संगीत समारोह।
- मध्यप्रदेश शासन के राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय पुरस्कार, सम्मान– शिखर सम्मान– महात्मा गांधी सम्मान, कबीर सम्मान, तानसेन सम्मान, कालिदास सम्मान, तुलसी सम्मान, लता मंगेशकर सम्मान, इकबाल सम्मान, देवी अहिल्या सम्मान, किशोर कुमार सम्मान, कुमार गंधर्व सम्मान।
- मध्यप्रदेश के कलाकारों को प्रदत्त सम्मान – पंडित पर्वत सिंह, राजा चक्रधर सिंह, उस्ताद रजब अली, गोविन्दराव बुरहानपुरकर, ठाकुर जगदीश सिंह दीन, ठाकुर भीकम सिंह गौतम, उस्ताद हाफिज़ अली खाँ, उस्ताद अमजद अली खाँ, उस्ताद जहांगीर खाँ, पंडित अंबादास पंत आगले, श्री शरदचंद श्रीधर परांजपे, पंडित कृष्णराव शंकर पंडित, पंडित कुमार गंधर्व।
- मध्यप्रदेश के युवा कलाकारों का परिचय एवं सांगीतिक योगदान।

UNIT- IX : Music in Principalities of Madhya Pradesh

- The role of Principalities in conservation of Music.
  Gwalior Principality- Tomar Vansh, Scindiya Vansh, Indore Principality- Holkar Vansh, Bhopal Principality - Rani Kamlapati Gond Vansh, Raja Bhoj Vansh. Maihar and Rewa Principality - Raja Samarsingh and Raja Shri Ramchandra Singh, Baghel Vansh, Raigarh Principality -Raja Chakradhar Singh.
- Musical Journalism in Madhya Pradesh - Poorva grah, Sakshatkar, choumasa, sangit nirjharni, vintage Madhya Pradesh, Sangit kala patrika, Bhartiya Sangit, Art O Culture, Kala Saurabh, Kala varta, Kala Samay, Mridang, News Magazine.
- Musical teaching institutes of M.P. - Government -Colleges and Universities of Madhya Pradesh, Non- Government-Madhukali, Abhinav Kala Parishad, Madhuban Cultural Institute, Sankalp, Music Circle, Kala Padam.
- Musical Publication of Madhya Pradesh Hindi Granth Academy.
- Musical Publication of Ustad Alauddin khan, Sangit and Kala Academy.

इकाई–9 मध्यप्रदेश की रियासतों में संगीत :–

- संगीत के संरक्षण में रियासतों की भूमिका :–ग्वालियर रियासत – तोमर वंश, सिंधिया वंश। इन्दौर रियासत – होल्कर वंश। भोपाल रियासत – रानी कमलापति गोंड वंश, राजा भोज वंश। मैहर, रीवा रियासत – राजा समरसिंह बघेल वंश, राजा रामचन्द्र सिंह बघेल वंश। रायगढ़ रियासत – राजा चक्रधर सिंह।
- मध्यप्रदेश में सांगीतिक पत्रकारिता – पूर्व ग्रह, साक्षात्कार, चौमासा, संगीत निर्झरणी। विंटेज मध्यप्रदेश, संगीत कला पत्रिका, भारतीय संगीत, आर्ट ओ कल्चर, कला सौरभ, कला वार्ता, कला समय, मृदंग, पत्र पत्रिकाएँ।
- मध्यप्रदेश में संगीत शिक्षण संस्थाएँ – शासकीय– मध्यप्रदेश के महाविद्यालय, विश्वविद्यालय अशासकीय – मधुकली संस्था, अभिनव कला परिषद, मधुवन संस्कृति संस्थान, संकल्प, म्युजिक सर्कल, कला पदम।
- मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी द्वारा सांगीतिक प्रकाशन।
- उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादमी का सांगीतिक प्रकाशन।

UNIT- X : Folk Music of Madhya Pradesh

- Regional Folk Music in Madhya Pradesh - Bundelkhand, Baghelkhand, Malwa and Nimad, Mandla, Shehdol, Chmbal, Dhar, Jhabua.
- Instrument and different styles of folk music in Madhya Pradesh.
- Major Male and Female Folk Singers of Madhya Pradesh.
- Folk and Tribal music of Madhya Pradesh- Karma, Riṇa, Saila, Dadria, Pandwani Gayan, Kalgiturra, Nirgunia, Sant Singaji bhajan, Faag Gatha, Garba, Nagpanthi, Sanja geet, Hid gayan, Barsati, Barta, Lavni, Allaha, gayan, Bhola, Lamtera geet, Berayta gayan, Devasi gayan, Jagdev Purava, Virah gayan, Basdeva gayan, Videshiya gayan, Dhola maru geet, Baans geet, Lorik Chanda geet, Ghotul Pata geet, Languriya.
- Major Publicity Centers of Classical and Folk Music in Madhya Pradesh - Bharat Bhavan (Rupankar, wagarth, Anhad Center), Ravindra Bhawan, Ravindra Convention Center, Madhya Pradesh Film Development Corporation, Indira Gandhi Rastriya manava Sangrahaly, Madhya Pradesh Tribal Musuem, Tribal Research and development Institution, Mulla Ramuji Bhawan, Akashwani and Doordarshan Centers of Madhya Pradesh.

इकाई–10 **मध्यप्रदेश के लोक संगीत :–**

- मध्यप्रदेश के क्षेत्रीय लोक संगीत–बुंदेलखंड, बघेलखंड़, मालवा एवं निमाड़, मंडला, शहडोल, चंबल, धार, झाबुआ।
- मध्यप्रदेश के लोक संगीत की विभिन्न विधाएँ एवं वाद्य यंत्र
- मध्यप्रदेश के प्रमुख लोक गायक एवं गायिकाएँ ।
- मध्यप्रदेश का लोक एवं जनजातीय संगीत– कर्मा, रीना, सैला, ददरिया, पंडवानी, गायणा, कलगी तुर्रा, निरगुणिया, संत सिंगाजी भजन, फाग, गाथा, गरबा, नागपंथी, संजा गीत, हिड़ गायन, बरसाती बारता, लावणी, आल्हा गायन, भोला, लमटेरा गीत, बेरायता गायन, देवासी गायन, जगदेव पुरावा, विरहा गायन, बसदेवा गायन, विदेशिया गायन, ढोला मारू गीत, बांस गीत, लोरिक चंदा गीत, घोटुल पाटा गीत, लांगुरिया।
- मध्यप्रदेश के शास्त्रीय एवं लोक संगीत के प्रचार प्रसार के प्रमुख केन्द्र– भारत भवन (रूपंकर, वागर्थ, अनहद केन्द्र), रवीन्द्र भवन, रवीन्द्र सभागम केन्द्र, म.प्र. फिल्म विकास निगम, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय, जनजाति अनुसंधान एवं विकास संस्थान (टी.आर.आई), मुल्ला रमूजी भवन, मध्यप्रदेश के आकाशवाणी एवं दूरदर्शन केन्द्र ।

---XXX---